



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 528]
No. 528]

नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 21, 1980/कार्तिक 30, 1902
NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 21, 1980/KARTIKA 30, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1980

का० आ० 900(अ)/18ए०/प्रौ० वि० वि० आ०/80.—भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 725(अ) 18ए०/प्रौ० वि० वि० आ०/72 तारीख 25 नवम्बर, 1972 (जिसे इसमें प्राप्ति के लिए कहा गया है) द्वारा मैसर्स इण्डिया मशीनरी कम्पनी लिमिटेड हावड़ा नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का 24 नवम्बर, 1977 तक की, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, के लिए प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए एक प्रबन्ध बोर्ड की प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 630(अ) 18ए०/प्रौ० वि० वि० आ०/77, तारीख 24 अगस्त, 1977 द्वारा उक्त आदेश को उपांतरित किया गया था और भारत का औद्योगिक पुनर्गठन निगम लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था ;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 784(अ) 18ए०/प्रौ० वि० वि० आ०/77, तारीख 24 नवम्बर, 1977 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 24 नवम्बर 1979 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, के लिए बढ़ा दी गई थी,

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 747(अ)/18ए०/प्रौ० वि० वि० आ०/79, तारीख 22 नवम्बर, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 24 नवम्बर, 1980 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, के लिए बढ़ा दी गई थी ;

971 GI/80- 1

और, अथ, केन्द्रीय सरकार की राय में उक्त आदेश की अवधि 24 नवम्बर, 1981 तक का अवधि के लिए, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, और बढ़ाया जाना वांछित में समीचीन है ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश करती है कि उक्त आदेश 24 नवम्बर, 1981 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, की अवधि के लिए और प्रभावी रहेगा ।

[का० सं० 2(11)/80-सी० यू० एस०]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 21st November, 1980

S.O. 900(E)/18A/IDRA/80.—Whereas by the order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 725(E)/18A/IDRA/72, dated the 25th November 1972 (hereinafter referred to as the said order), a Board of Management was authorised to take over the whole of the Industrial undertaking known as Messrs. India Machinery Company Limited, Howrah, for a period of five years upto and inclusive of 24th November, 1977;

And whereas the said order was modified by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 630(E)/18A/IDRA/77, dated the 24th August, 1977, and the Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta was authorised to take over the management of the said undertaking;

And whereas the duration of the said order was extended by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O.

784(E)/18A/IDRA/77, dated the 24th November, 1977, for a further period upto and inclusive of 24th November, 1979;

And whereas the duration of the said order was extended by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 747(E)/18A/IDRA/79, dated 22nd November, 1979, for a further period upto and inclusive of 24th November 1980;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the duration of the said order should be extended for a further period upto and inclusive of the 24th November, 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 24th November, 1981.

[File. No. 2(11)/80-cus.]

आदेश

का० प्रा० 901(अ).—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० 65(अ)/18क/आई० डी० प्रार० ए०/78-तारीख 4 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के बौबिली में चीनी के विनिर्माण में लगे हुए मेसर्स श्री राम सुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एकक का प्रबन्ध निजाम सुगर फैक्ट्री लिमिटेड द्वारा, (जिसे इसमें इसके पश्चात् "प्राधिकृत नियंत्रक" कहा गया है) 3 फरवरी, 1981 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, की तीन वर्ष की अवधि के लिए, ग्रहण किया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोक हित में ऐसा समीचीन है कि उक्त एकक का प्रबन्ध उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा पूर्वोक्त तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् छह मास की और अवधि, अर्थात् 3 अगस्त, 1981 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, और होता रहे;

अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश 3 अगस्त, 1981 तक जिसके अन्तर्गत यह तारीख भी है, प्रभावी रहेगा।

[का० सं० 4 (4)/78 सी० यू० एस०]

ORDER

S.O. 901(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. 65(E)/18AA/IDRA/78 dated the 4th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the unit of Messrs. Sri Rama Sugar and Industries Limited Manufacturing sugar at Bobbili in District Srikakulam in the State of Andhra Pradesh had been taken over by the Nizam Sugar Factory Limited (hereinafter referred to as "Authorised Controller") for a period of three years upto and inclusive of the 3rd February, 1981;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said unit by the said Authorised Controller should continue for a further period of six months after the expiry of the period

of three years aforesaid, that is, upto and inclusive of the 3rd August 1981;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect upto and inclusive of the 3rd August, 1981.

[F. No. 4(4)/78-cus.]

आदेश

का० प्रा० 902(अ)/18क/आई० डी० प्रार० ए०/80—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० प्रा० 18(अ)/18क/आई० डी० प्रार० ए०/79, तारीख 6 जनवरी, 1979 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, निजाम सुगर फैक्ट्री लिमिटेड को जो आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार का एक उपक्रम है, आन्ध्र प्रदेश राज्य के श्रीकाकुलम जिले के सीथानगरम में चीनी के विनिर्माण में लगे मेसर्स श्री राम सुगर एण्ड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड एकक का प्रबन्ध (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है), उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन, तीन वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के प्रबन्ध में, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् चीनी उद्योग के उत्पादन के परिमाण में कमी को दूर करने की दृष्टि से जनसाधारण के हित में ऐसा करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त, ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति के हस्तान्तरण-पत्रों, करारों, समझौतों, पंजाबों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों का (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं और उससे भी भिन्न जो 6 जनवरी, 1979 के पश्चात् किए गए थे, हुए थे या प्रवृत्त हुए थे) जिन्हें उक्त औद्योगिक उपक्रम या ऐसे औद्योगिक उपक्रम का स्वामित्व रखने वाली कम्पनी एक पक्षकार है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रम या कम्पनी को लागू हों, प्रवर्तन एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और इस आदेश के जारी किए जाने की तारीख के पूर्व उसके अधीन प्रोद्युक्त या उद्युक्त होने वाले सभी अधिकार, विशेषाधिकार बाध्यताएं और दायित्व उक्त एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेंगे।

[का० सं० 4(11)/78-सी० यू० एस०]
प्रार० एन० चोपड़ा, संयुक्त सचिव

ORDER

S.O. 902(E). 18FB/IDRA/80.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 18(E)/18AA/IDRA/79, dated the 6th January, 1979, the Central Government authorised the Nizam Sugar Factory Limited, an undertaking of the Government of Andhra Pradesh, to take over the management of the unit of Messrs. Sri Rama Sugars and Industries Limited manufacturing Sugar at Seethanagaram in the District of Srikakulam in the State of Andhra Pradesh (hereinafter referred to as the said industrial undertaking) under

clause (b) of sub-section (1) of Section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of three years ;

And whereas the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking, it is necessary so to do in the interests of general public with a view to preventing fall in the volume of production of the scheduled industry, namely, the Sugar industry ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements,

awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions, and also those which have been entered into, arrived at or come into force after the 6th January, 1979), to which the said industrial undertaking or the company owning such industrial undertaking is a party or which may be applicable to such industrial undertaking or company shall remain suspended for a period of one year and all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the date of issue of this Order shall remain suspended for the said period one year.

[F. No. 4(11)/78-cus]
R. N. CHOPRA, Jt. Secy.

